No. of Printed Pages : 2

MHD-20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

एम.एच.डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. भारतीय दलित साहित्य की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 10

2. कहानी के मूल तत्वों के आधार पर 'बुद्ध ही मरा पड़ा है' की समीक्षा कीजिए। 10

3. पाठ्यक्रम में दी गई बाबुराव बागुल की कहानी में व्यक्त भारतीय समाज की कटु सच्चाई पर एक आलेख लिखिए। 10

4. 'गौरेया' कविता में निहित संदेश पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10

5. पंजाबी कविता 'घोड़ा' में भारतीय जाति व्यवस्था के व्यक्त कटु स्वरूप पर एक निबंध लिखिए। 10

6. संरचना शिल्प के आधार पर जीवन हमारा और अक्करमाशी में भिन्नता को दर्शाइये। 10

7. दलित आत्मकथा सामान्य वर्ग की आत्मकथा से किस प्रकार भिन्न है ? स्पष्ट कीजिए। 10

8. 'अस्पृश्य वसंत' उपन्यास की रचनात्मक विशेषताएँ लिखिए। 10

9. 'मशालची' में व्यक्त दलित समाज के भीषण स्वरूप की विवेचना कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) पंजाबी साहित्य

(ख) बेबी कांबले

(ग) गुजराती दलित कविता 'माँ'

(घ) 'मशालची' की भाषा